PAPER-III INDIAN CULTURE

Signature and Name of Invigilator

1. (Signature)	
(Name)	Roll No.
2. (Signature)	(In figures as per admission card)
(Name)	
	Roll No
D 5 0 1 0	(In words)

Time: $2^{1}/_{2}$ hours] [Maximum Marks: 200

Number of Pages in this Booklet: 32

Instructions for the Candidates

- 1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
- Answer to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.

No Additional Sheets are to be used.

- 3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below:
 - (i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
 - (ii) Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.
- 4. Read instructions given inside carefully.
- 5. One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
- 6. If you write your name or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
- 7. You have to return the test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
- 8. Use only Blue/Black Ball point pen.
- 9. Use of any calculator or log table etc., is prohibited.

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

- 1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए ।
- 2. लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुए रिक्त स्थान पर ही लिखिये ।

Number of Questions in this Booklet: 19

- इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है ।
- उ. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी । पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्निलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे, जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
 - (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी कागज की सील को फाड़ लें । खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें ।
 - (ii) कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं । दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें । इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे । उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा ।
- 4. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढें।
- 5. उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है ।
- 6. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे ।
- आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें ।
- 8. केवल नीले/काले बाल प्वाईंट पेन का ही इस्तेमाल करें।
- किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है ।

D-50-10 P.T.O.

INDIAN CULTURE भारतीय संस्कृति

PAPER – III प्रश्नपत्र – III

Note: This paper is of **two hundred (200)** marks containing **four (4)** sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.

नोट: यह प्रश्नपत्र दो सौ (200) अंकों का है एवं इसमें चार (4) खंड हैं। अभ्यर्थियों को इनमें समाहित प्रश्नों के उत्तर अलग से दिये गये विस्तृत निर्देशों के अनुसार देना है।

SECTION - I

खंड 🗕 I

Note: This section consists of **two** essay type questions of **twenty** (20) marks each, to be answered in about **five hundred** (500) words each. (2 × 20 = 40 marks) नोट: इस खंड में बीस–बीस (20) अंकों के दो निबन्धात्मक प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग पाँच सौ (500)

नोट : इस खंड में **बीस-बीस (20)** अंकों के **दो** निबन्धात्मक प्रश्न है । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **पाँच सौ (500)** शब्दों में अपेक्षित है । (2 × 20 = 40 **अंक**)

1. "The sculptural art of Sanchi is much more advanced than Bharhut." Elucidate. "साँची की मूर्तिकला भरहत की तुलना में कहीं अधिक उन्नत है।" स्पष्ट कीजिये।

OR / अथवा

The Mughals are known for developing fine arts and aesthetic genre in the forms of art. Discuss.

मुगल लिलत कला एवं कला के रूप की सौन्दर्यपरक शैली को विकसित करने के लिये विख्यात है । विवेचना कीजिए ।

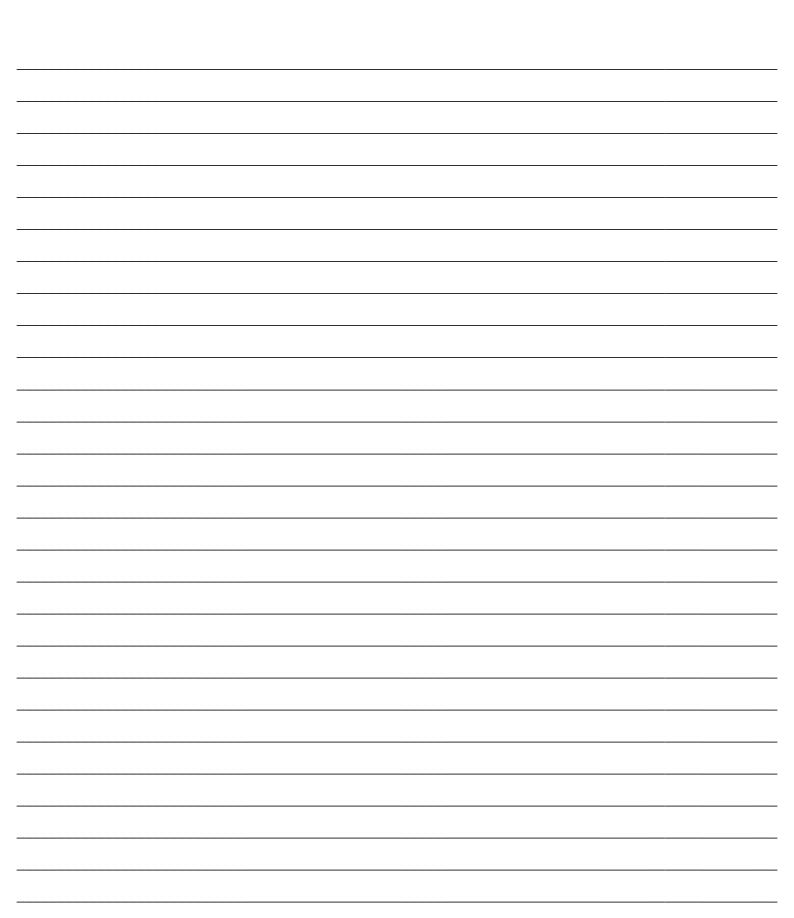
OR / अथवा

Though Raja Rammohun Roy made a decisive break with Indian tradition, in the end it remained incomplete. Elaborate.

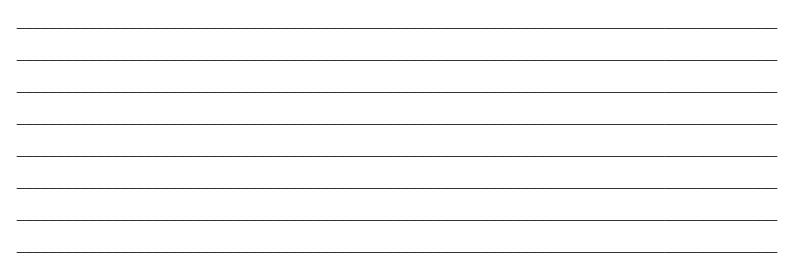
राजा राममोहन राय ने यद्यपि भारतीय परम्परा के साथ निर्णायक रूप से संबंध-विच्छेद कर लिया, परन्तु अंतत: यह अधूरा रहा । सिद्ध कीजिये ।



2.	Describe critically the village administration during the Chola period. चोल युग के समय के ग्राम प्रशासन का आलोचनात्मक वर्णन कीजिये । OR / अथवा Write an essay on rural credit system with particular reference to Mahajans' relation with medieval Indian peasants. महाजन के मध्यकालीन भारतीय किसानों से संबंध पर विशेष बल देते हुए ग्रामीण ऋण व्यवस्था पर निबंध लिखिए । OR / अथवा What is 'objectivity' and how can one achieve it in the writing of history ? 'वस्तुनिष्ठा' क्या है एवं इतिहास लेखन में इसे किस प्रकार से उपलब्ध किया जा सकता है ?







SECTION – II खंड – II

Note: This section contains three (3) questions from each of the electives/specializations. The candidate has to choose only one elective/specialization and answer all the three questions from it. Each question carries fifteen (15) marks and is to be answered in about three hundred (300) words.

| 3 \times 15 = 45 Marks |
| 3 \times 25 \times 1 \times 25 \times 2

नोट : इस खण्ड में प्रत्येक ऐच्छिक इकाई / विशेषज्ञता से तीन (3) प्रश्न हैं । अभ्यथी को केवल **एक** ऐच्छिक इकाई / विशेषज्ञता को चुनकर उसी के **तीनों** प्रश्नों का उत्तर देना है । प्रत्येक प्रश्न **पन्द्रह (15)** अंकों का है व उसका उत्तर लगभग तीन सौ (300) शब्दों में अपेक्षित है । (3 × 15 = 45 अंक)

Elective – I ऐच्छिक इकाई – I

- 3. Examine critically the main teachings of Jainism. जैन धर्म की मुख्य शिक्षाओं का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिये।
- 4. Form an estimate of Ajanta painting. अजन्ता चित्रकारी का मृल्यांकन कीजिये।
- 5. Enumerate briefly but critically the main urban centres of the Gupta period. गुप्त काल के मुख्य नगरीय केन्द्रों की संक्षिप्त आलोचनात्मक व्याख्या कीजिये।

OR / अथवा Elective – II ऐच्छिक इकाई – II

- 3. Define the new techniques and features introduced by the Turks in the field of architecture.
 - वास्तुकला के क्षेत्र में तुर्कों द्वारा प्रस्तुत की गई नवीन तकनीकी एवं लक्षणों की व्याख्या कीजिए ।
- 4. Discuss the contribution of Shaikh Nizamuddin Auliya to the growth of Chishti Silsilah.

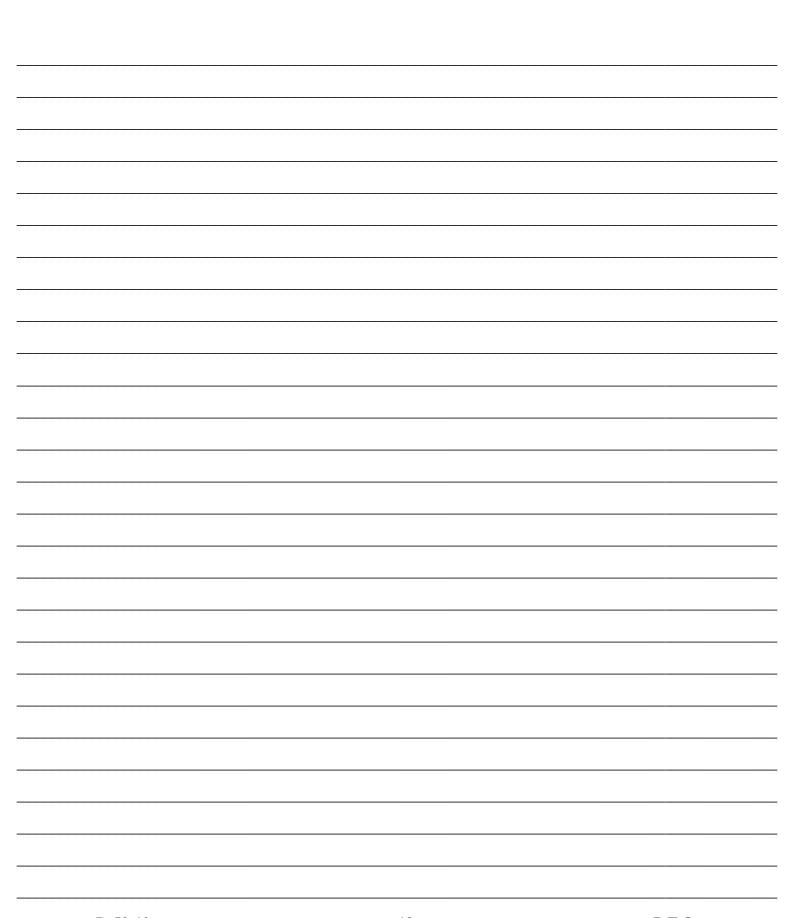
 चिश्ती सिलसिले के विकास में शेख निजामद्दीन ओलिया के योगदान की विवेचना कीजिए।

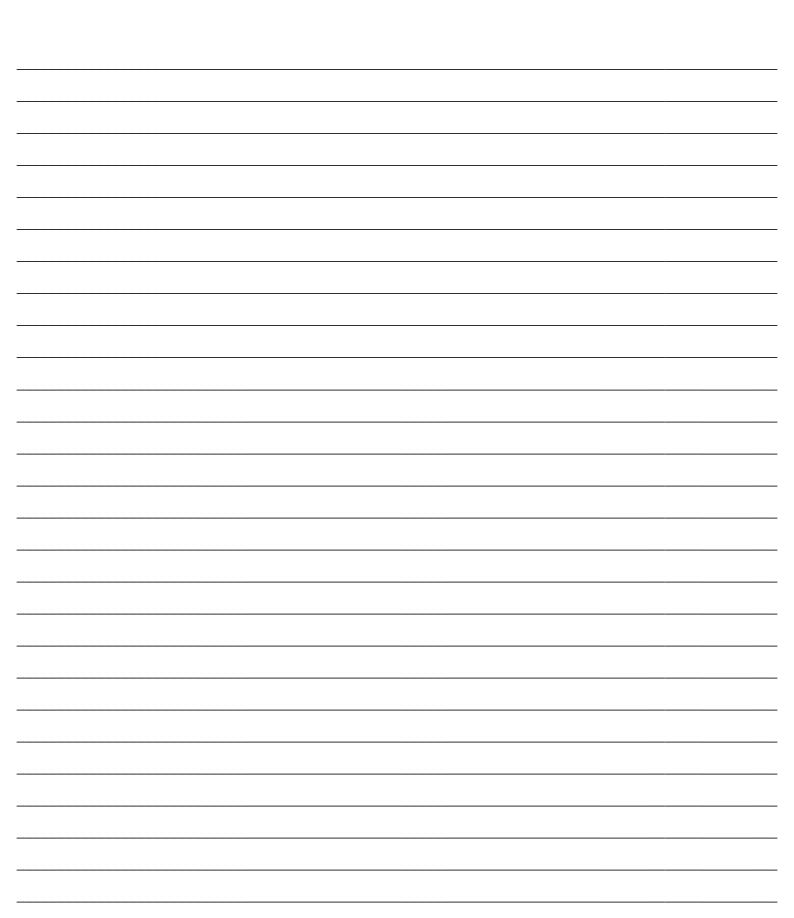
5. How inter-religious marriages between the Mughals and the Rajputs created composite culture?

मुगलों एवं राजपूतों के बीच हुए अंतर्धार्मिक विवाहों ने सम्मिश्र संस्कृति को किस प्रकार से सृजित किया?

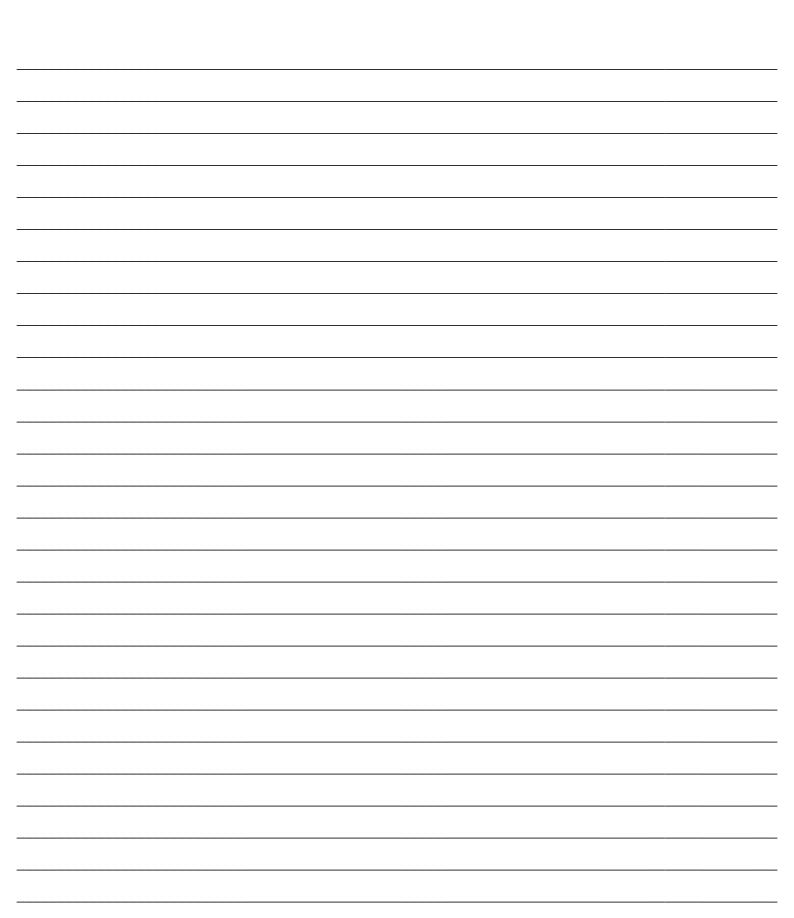
OR / अथवा Elective – III ऐच्छिक इकाई – III

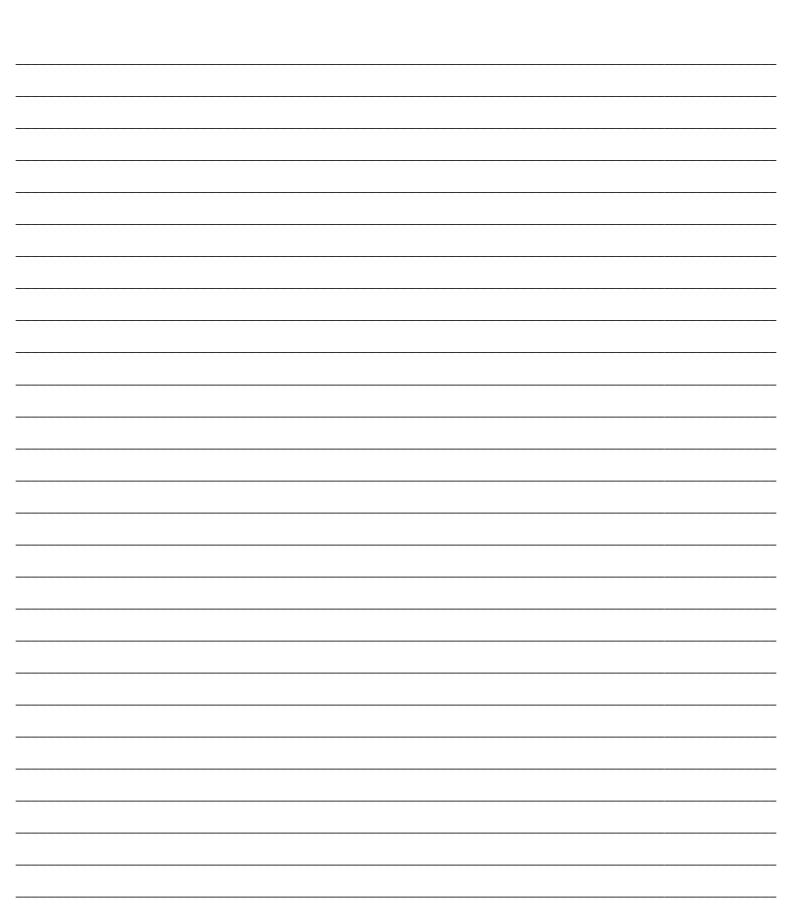
- 3. Bring out the contribution of Dayanand Saraswati to the social and religious reform movement in India. भारत के सामाजिक एवं धार्मिक सुधार आन्दोलन में दयानंद सरस्वती के योगदान का स्पष्ट रूप से वर्णन कीजिए।
- 4. Explain the basic objectives that went into the founding of Indian National Congress. इंडियन नेशनल काँग्रेस की स्थापना के मूलभूत उद्देश्यों को स्पष्ट कीजिए ।
- 5. Write a note on the Communal Award of 1932.
 1932 के साम्प्रदायिक परिनिर्णय (अवार्ड) पर टिप्पणी लिखिए ।

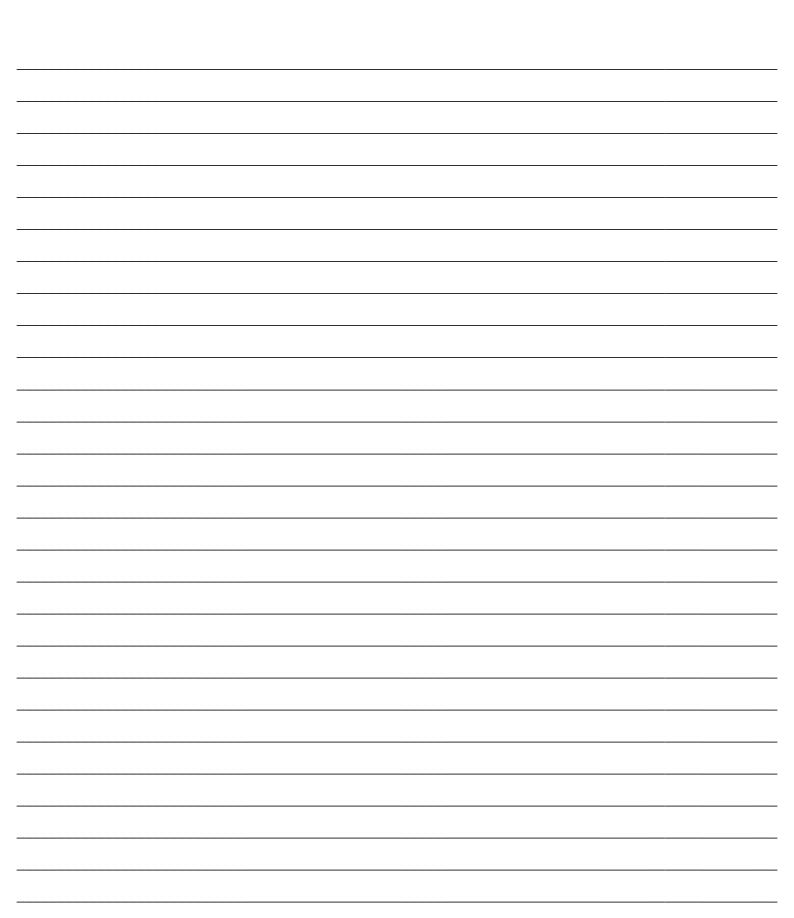












	CECTION III
	SECTION – III खंड – III
Note:	This section contains nine (9) questions of ten (10) marks, each to be answered in about fifty (50) words. $(9 \times 10 = 90 \text{ Marks})$
नोट :	इस खंड में दस-दस (10-10) अंकों के नौ (9) प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग पचास (50) शब्दों में अपेक्षित है । (9 × 10 = 90 अंक)
नोट : 6.	
	अपेक्षित है । $ (9 \times 10 = 90 \text{ अंक}) $ Trace out the continuity of Indian Culture.
	अपेक्षित है । $ (9 \times 10 = 90 \text{ अंक}) $ Trace out the continuity of Indian Culture.
	अपेक्षित है । $ (9 \times 10 = 90 \text{ अंक}) $ Trace out the continuity of Indian Culture.
	अपेक्षित है । $ (9 \times 10 = 90 \text{ अंक}) $ Trace out the continuity of Indian Culture.
	अपेक्षित है । $ (9 \times 10 = 90 \text{ अंक}) $ Trace out the continuity of Indian Culture.
	अपेक्षित है । $ (9 \times 10 = 90 \text{ अंक}) $ Trace out the continuity of Indian Culture.
	अपेक्षित है । $ (9 \times 10 = 90 \text{ अंक}) $ Trace out the continuity of Indian Culture.

7.	Explain the term 'Nirvana'. 'निर्वाण' शब्द की व्याख्या कीजिये ।
8.	What is the Dravida style of temple architecture ? मन्दिर वास्तुकला की द्रविड़ शैली क्या है ?

9.	How <u>Sama</u> was perceived by the <u>Sufis</u> and the conservative Ulema ? सूफीओं एवं रूढ़िवादी उलेमा ने समा को किस तरह से समझा ?

10.	Describe Sultan Zain-ul-Abidin's contribution for the development of dance in Kashmir. काश्मीर में नृत्यकला के विकास में सुल्तान जैन-उल-अबिदीन के योगदान का वर्णन कीजिए ।
11.	Define <u>Tohid-i-Ilahi</u> . तौहीद-ए-इलाही को परिभाषित कीजिए ।

The concepts of 'satyagraha' and 'non-violence' in political protests are the contributions of Mahatma Gandhi to the world. Elaborate. राजनैतिक विरोध में 'सत्याग्रह' एवं 'अहंसा' की अवधारणायें विश्व को महात्मा गांधी की देन हैं । विस्तार से वर्णन कीजिये ।

13.	What is 'Sanskritization' ? Can this concept help us in understanding the change in Indian caste system ? 'संस्कृतिकरण' क्या है ? भारतीय जाति-व्यवस्था को समझने में यह अवधारणा क्या हमारी सहायता कर सकती है ?

14.	Write a note on any two major classical dances of India. भारत के किन्हीं दो क्लासिकल नृत्यों पर टिप्पणी लिखिए ।

SECTION – IV खंड – IV

Note: This section contains **five (5)** questions of **five (5)** marks each based on the following passage. Each question should be answered in about **thirty (30)** words.

 $(5 \times 5 = 25 \text{ Marks})$

नोट: इस खंड में निम्नलिखित परिच्छेद पर आधारित पाँच (5) प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है । प्रत्येक प्रश्न पाँच (5) अंकों का है । $(5 \times 5 = 25 \text{ sim})$

The mass upsurges of the 1930s were closely related to decisive economic changes. The world-wide Depression which set in from late 1929 affected India in two main ways: through a very sharp fall in prices, particularly of agricultural commodities, and by bringing about a major crisis in the entire export-oriented colonial economy. The all-India general price-index (1873 = 100), 203 in 1929, fell to 171 in 1930, 127 in 1931, 126 in 1932, 121 in 1933, and 119 in 1934; it rose slightly

thereafter, but was still only 136 in 1937. Agricultural prices had started declining from 1926, in fact, but the collapse from 1930 in India was truly catastrophic. The all-India average of raw cotton prices (1873 = 100), 133 in 1929, fell to 70 in 1931. In Bengal, the price of winter rice (1929 = 100), went down to 45.9 in 1932, while that of jute had slumped to 43.5 by 1934. In the United Provinces, wholesale prices (1901-05 = 100) fell from 218 in 1929 to 162 in 1930, 112 in 1931, and 103 in 1934 (C.J. Baker, Politics of South India 1920-37, p. 174; B.B. Chaudhuri. 'The Process of Depeasantisation in Bengal and Bihar 1885-1947', Indian Historical Review, July 1975, p. 117; G. Pandey, p. 160). Depression sharply enhanced the burdens of revenue, rent and interest payments, and the people worst affected were the relatively better off or 'middle' peasants with a surplus to sell (unlike the post-1918 inflation which had hurt the poorest sections hardest). What we know about the pattern of mobilization in the 1930s fits in well with this economic situation. The Congress (and, a little later and in some regions, Left-inclined Kisan Sabhas) rallied peasant proprietors and tenant smallholders (rather than share-croppers or agricultural labourers) around issues like reduction of revenue, irrigation charges, and rent and debt burdens, return of alienated land, or – the most radical slogan of this period – abolition of zamindari. The movement spread much more widely over the countryside than in Non-Cooperation and set up relatively stable organizations, but lacked, in the main, the sporadic and elemental millenarian flavour of 1919-22. Congress support for even such specific Kisan demands was often inhibited by its landlord links, and, as Hardiman has shown, a tendency towards growing conservatism by rich peasants was manifesting itself by the mid-1930s in areas like Gujarat, making Vallabhbhai Patel, the hero of Bardoli, ultimately the greatest stalwart of the Congress Right.

1930 के दशक के जन-आंदोलन निर्णायक परिवर्तनों से घनिष्ठ रूप से जुड़े हुए थे । 1929 के अंत में आनेवाली विश्वव्यापी मंदी ने भारत को मुख्यत: दो रूपों में प्रभावित किया था : एक तो कीमतों में, विशेष, रूप से कृषि-उत्पादों की कीमतों में, तीव्र गिरावट लाकर, और दूसरे, संपूर्ण निर्यात पर आधारित औपनिवेशिक अर्थव्यवस्था में गंभीर संकट उत्पन्न करके । अखिल भारतीय सामान्य मृल्य सूचकांक (1873 = 100), जो 1929 में 203 था. 1930 में गिरकर 171 हो गया. और फिर 1931 में 127, 1932 में 126, 1933 में 121 और 1934 में 119 रह गया । इसके बाद इसमें थोड़ी वृद्धि हुई और यह 1937 में 136 हो गया । वस्तृत: कृषि-उत्पादों की कीमतें तो 1926 से ही गिरनी आरंभ हो गई थीं, किंत 1930 के बाद आनेवाली गिरावट भारत के लिए घातक सिद्ध हुई । कपास का अखिल भारतीय मूल्य (1873 = 100), जो 1929 में 133 था, 1931 में गिरकर मात्र 70 रह गया । बंगाल में सर्दियों का चावल (1929 = 100) 1932 में 45.9 तक गिर गया और 1934 तक पटसन 43.5 ही रह गया । संयुक्त प्रांत में थोक मुल्य (1901-05 = 100) 1929 में 218 से गिरकर 1930 में 162, 1931 में 112, 1934 में 103 रह गए (सी.जे. बेकर, *पॉलिटिक्स ऑफ साउथ इंडिया 1920-37*, पृ. 174; बी.बी. चौध्री, 'दि प्रोसेस ऑफ डिपेजेंटाइजेशन इन बंगाल एंड बिहार 1885-1947', *इंडियन हिस्टॉरिकल रिव्यू*, जुलाई 1975, पृ. 117; ज्ञान पांडे, पृ. 160) । मंदी ने राजस्व, लगान और ब्याज के भगतान के बोझ को अत्यंत बढा दिया था. और इसका सबसे बरा प्रभाव पड़ा था उन 'मध्यवर्गीय' किसानों पर जो अपेक्षाकत समृद्ध थे और जिनके पास बेचने के लिए अतिरिक्त उपज थी । (यह 1918 के पश्चात होनेवाली मुद्रास्फीति से भिन्न था, जब निर्धन वर्ग सर्वाधिक प्रभावित हुए थे ।) 1930 के दशक में सैनिक लामबंदी की जो जानकारी उपलब्ध है, वह इस आर्थिक स्थिति में बिल्कुल ठीक बैठती है । कांग्रेस (और कुछ समय पश्चात् एवं कुछ स्थानों पर वामपंथी झुकाववाली किसान सभाएं) भूमिधर किसानों और छोटी जोतवाले काश्तकारों (न कि बंटाइदारों और कृषि-मजदुरों) को लामबंद करने लगी थी । जिन मुद्दों को लेकर इन्हें संगठित किया जा रहा था, वे थे – राजस्व, सिंचाई शुल्क, और लगान एवं कर्ज के बोझ में कमी, बेदखल की गई जमीन की वापसी, या उस समय का सबसे जुझारू नारा – जमींदारी-उन्मुलन । यह आंदोलन असहयोग के क्षेत्रों की अपेक्षा ग्रामीण क्षेत्रों में कहीं अधिक फैला और इसने कहीं अधिक स्थिर संगठनों की स्थापना की, किंतु इसमें मुख्यत: 1919-22 के समय की स्वर्णयुगवाली स्फूर्त और आदिम भावना का अभाव था । ऐसी स्पष्टत: कृषक माँगों को भी अपना समर्थन देने में कांग्रेस को संकोच होता था, क्योंकि उसके संबंध जमींदारों से भी थे । जैसा कि हार्डीमन ने दर्शाया है, धनी किसानों में रूढ़वादिता की प्रवृत्ति बढ़ती जा रही थी, विशेष रूप से गुजरात जैसे क्षेत्रों में, जिसके फलस्वरूप बारदोली के नायक वल्लभभाई पटेल अंतत: दक्षिणपंथी कांग्रेस के सबसे बड़े नेता के रूप में उभरे ।

15.	Explain the ways that the Economic Depression had affected India. आर्थिक मंदी ने भारतवर्ष को किस तरह से प्रभावित किया ?
16.	How did Depression affect Bengal and United Province ? बंगाल एवं संयुक्त प्रान्त मंदी से किस प्रकार प्रभावित हुए ?

17.	Which class of people in India were affected by the Depression ? भारतवर्ष में किस वर्ग के लोगों पर मंदी का प्रभाव पड़ा ?
18.	Can you explain the link between the Depression and Congress political mobilization ? क्या आप मंदी एवं कांग्रेस के राजनैतिक संघटन के बीच संबंध की व्याख्या कर सकते हैं ?

19.	Bring out the complexity that the Congress had faced in mobilizing peasants in the context of Kisan Sabhas' activities. कांग्रेस को किसान सभाओं की गतिविधियों के संदर्भ में किसानों का संघटन करने में किन मुश्किलों का सामना करना पड़ा ? इस बारे में जानकारी दीजिए ।

Space For Rough Work

FOR OFFICE USE ONLY		
Marks Obtained		
Question Number	Marks Obtained	
1		
2		
3		
4		
5		
6		
7		
8		
9		
10		
11		
12		
13		
14		
15		
16		
17		
18		
19		

Total Marks Obtained (in wo	rds)	
(in fig	ures)	
Signature & Name of the Coordinator		
(Evaluation)	Date	